हादसा | गोविंदा साइडिंग में कोयला चोरी के दौरान हादसा, कोल इंडिया के सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

25 केवी लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

कोतमा नवभारत 15 मार्च। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला गोविंदा साइडिंग एक बार फिर खून से रंग गया है। रविवार सुबह कोयला मालगाड़ी से कोयला चोरी के दौरान 26 वर्षीय युवक विनय यादव की 25 केवी हाई वोल्टेज रेलवे लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।

इस घटना ने न केवल क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, बल्कि रेलवे सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस और कोल इंडिया के सुरक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी बड़े सवालिया निशान लगा दिए हैं। जानकारी के अनुसार, जमुना कॉलोनी निवासी विनय यादव रविवार तड़के गोविंदा साइडिंग में खड़ी एक मालगाड़ी पर चढ़ा था। कोयला उतारने के प्रयास के दौरान उसका शरीर ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। करंट इतना जोरदार था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

संगठित गिरोह और 'मौन' संरक्षण के आरोप

स्थानीय नागरिकों और सूत्रों का स्पष्ट आरोप है कि गोविंदा साइडिंग में कोयला चोरी का यह कोई पहला मामला नहीं है। यहां लंबे समय से एक संगठित सिंडिकेट काम कर रहा है। आरोप है कि स्थानीय पुलिस और सीआईएसएफ की कथित मिलीभगत या ढुलमुल रवैये के कारण यह अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। बार-बार शिकायतों के बावजूद ठोस कार्रवाई न होना, इस संदेह को और पुख्ता करता है।

दो माह में कई मौतें पर प्रशासन बेखबर

हैरानी की बात यह है कि पिछले दो महीनों के भीतर बिजली की चपेट में आने से यह दूसरी या तीसरी मौत है। लगातार हो रहे इन हादसों के बावजूद न तो रेलवे ने सुरक्षा बढ़ाई और न ही स्थानीय प्रशासन ने इन अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाई। अधिकारियों की इस चुप्पी ने क्षेत्र के युवाओं को मौत के मुँह में धकेल दिया है।

अधिकारियों का गैर जिम्मेदाराना रवैया

जब इस गंभीर विषय पर प्रतिक्रिया लेने के लिए रेलवे पुलिस थाना प्रभारी महेंद्रगढ़ पीके चौधरी और सहायक उप निरीक्षक अर्जुन सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन रिसीव करना भी मुनासिब नहीं समझा। जिम्मेदार अधिकारियों का यह व्यवहार जनता के आक्रोश को और भड़का रहा है।

जनता की मांग, हत्या का मामला दर्ज हो

घटना के बाद से क्षेत्र में भारी तनाव और आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक विफलता के कारण हुई संस्थागत हत्या है। नागरिकों ने मांग की है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए और कोयला चोरी के संगठित नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त किया जाए। इसके अलावा साइडिंग क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएं ताकि भविष्य में किसी और मां की गोद सूनी नहीं हो।

इनका कहना है

मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। शव का पंचनामा कर जांच शुरू कर दी गई है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रत्नांबर शुक्ल
थाना प्रभारी, कोतमा

मंडल कार्यकर्ता संगठन की कार्यपद्धति से हुए अवगत

अनुशासन के साथ भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

अनूपपुर, नवभारत 15 मार्च। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन एवं जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में मंडल स्तर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के अंतर्गत 14 व 15 मार्च को पसान मंगल भवन जमुना कॉलोनी तथा कोतमा में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण वर्ग अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें मंडल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न सत्रों में दी गई जानकारी को ग्रहण किया। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान भाजपा के प्रशिक्षित पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा और जनसंपर्क के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विभिन्न विषयों का दिया गया प्रशिक्षण

इस दौरान मध्यप्रदेश शासन के मंत्री दिलीप जायसवाल सहित मिथिलेश प्यासी, अनिल गुप्ता, राम अवध सिंह, रामदास पुरी, बृजेश गौतम, आधा राम वैश्य, डॉ. सुनील चौरसिया एवं हनुमान गर्ग ने विभिन्न विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। प्रथम दिवस में भाजपा का इतिहास एवं विकास, वैचारिक अधिष्ठान, संगठन की कार्यपद्धति, प्रश्नोत्तरी सत्र तथा भोजन एवं मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। दूसरे दिन प्रात: जागरण एवं योग के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

इनका रहा योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला संयोजक सिद्धार्थ शिव सिंह, सहसंयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष आनंद केसरवानी, जितेंद्र भट्ट, विनोद केवट, मंडल पसान के संयोजक अजय द्विवेदी, मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह मिंटू, कोतमा मंडल अध्यक्ष पुष्पेंद्र जैन तथा कार्यक्रम संयोजक विजय पांडे सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सराहनीय भूमिका रही।

7 साल पुराना घर के मालिकाना हक का विवाद सुलझा

लोक अदालत में पड़ोसियों की रोजाना झड़प का हुआ अंत

अनूपपुर, नवभारत 15 मार्च। सात वर्षों से चले आ रहे घर के मालिकाना हक के विवाद का पटाक्षेप आज लोक अदालत में हो गया। कोतमा तहसील के जमुना क्षेत्र में दो पड़ोसी राठौर परिवारों के बीच घर के मालिकाना हक को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार आपसी समझौते के साथ समाप्त हो गया। जानकारी के अनुसार विवाद की शुरुआत वर्ष 2019 में हुई थी, जब दोनों परिवारों ने एक ही संपत्ति पर अपना दावा जताया। देखते ही देखते यह मामला कोर्ट तक पहुंच गया। इस दौरान कई बार दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट और तीखी झड़पें भी हुईं, जिसके चलते पुलिस को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा।

इस विवाद में दर्जनों सुनवाई हुईं

सात वर्षों तक चले इस विवाद में दर्जनों सुनवाई हुईं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया। लंबे समय तक चले इस कानूनी संघर्ष से दोनों परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हो चुके थे। शनिवार को आयोजित लोक अदालत में न्यायाधीश अमनदीप सिंह छाबड़ा के प्रयासों से दोनों पक्षों को आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

चर्चा और समझाइश के बाद दोनों परिवार हुए सहमत

लोक अदालत में विस्तृत चर्चा और समझाइश के बाद दोनों परिवार समझौते पर सहमत हो गए और विवाद का शांतिपूर्ण समाधान हो गया। समझौते के बाद दोनों पक्षों ने कहा कि सात साल की इस लड़ाई ने उनकी जिंदगी को काफी प्रभावित किया। लोक अदालत के माध्यम से समाधान मिलने के बाद अब वे आपसी सौहार्द के साथ पड़ोसी की तरह रहेंगे।

सेवानिवृत्त महिला कर्मचारियों का किया सम्मान

नवभारत,जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीसीएफ स्थित मजदूर संघ 'हथौड़ा' कार्यालय में महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शांता सहाय ने की। समारोह में सैकड़ों महिला कर्मचारियों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं युवतियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत इस वर्ष सेवानिवृत्त होने वाली महिला कर्मचारियों के सम्मान से हुई। उन्हें माल्यार्पण कर शुभकामनाएँ दी गईं और केक काटकर अग्रिम जन्मदिन की बधाई भी दी गई। इस दौरान महिला कर्मचारियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर नारी शक्ति के विभिन्न रूपों, गृहस्थ जीवन और निर्माणी में निभाई जा रही जिम्मेदारियों तथा पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उत्पादन में भागीदारी पर प्रकाश डाला।

ड्यूटी डॉक्टर की लापरवाही ने ली एक और जान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर रहे मोबाइल में व्यस्त, इलाज में देरी से हो गई मरीज की मौत

कोतमा नवभारत 15 मार्च। अपनी बदहाली और लचर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा एक बार फिर सुर्खियों में है। शनिवार की रात एक बेटे ने अपने पिता को तड़पते हुए खो दिया, जिसका कारण बीमारी से ज्यादा अस्पताल की संवेदनहीनता और ड्यूटी डॉक्टर की लापरवाही बताई जा रही है। परिजनों का आरोप है कि जब मरीज सीने के दर्द से कराह रहा था, तब डॉक्टर मोबाइल फोन पर व्यस्त थे।

वार्ड क्रमांक 10 निवासी रामभुवन तिवारी (58 वर्ष) को शनिवार रात करीब 12 बजे सीने में तेज दर्द होने पर उनके पुत्र राजकुमार तिवारी उपचार के लिए अस्पताल लाए थे। राजकुमार का आरोप है कि उस समय ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर चिराग मरावी इमरजेंसी केस होने के बावजूद मोबाइल फोन में व्यस्त रहे।

बेटा डॉक्टर के सामने गिड़गिड़ाता रहा

बेटे का कहना है कि वह अपने पिता की जान बचाने के लिए डॉक्टर के सामने गिड़गिड़ाता रहा, लेकिन इलाज शुरू करने में काफी देरी की गई। जब इलाज शुरू भी हुआ, तो डॉक्टर फोन पर किसी अन्य से पूछ-पूछकर दवाइयां दे रहे थे। कुछ ही देर बाद रामभुवन तिवारी की सांसें थम गईं।

मौत के बाद तमाशा सीपीआर पर भड़का आक्रोश

सोशल मीडिया पर वायरल हुए अपनी व्यथा के वीडियो में मृतक के पुत्र ने बताया कि मौत हो जाने के बाद डॉक्टर द्वारा सीने पर चढ़कर दिए जा रहे सीपीआर को देखकर उपस्थित लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब समय पर इलाज की जरूरत थी तब लापरवाही की गई और अंत में केवल औपचारिकता निभाई गई।

व्यवस्था पर बड़े सवाल

कोतमा स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली की कहानी पुरानी है, लेकिन सुधार के नाम पर केवल खानापूर्ति होती है। तहसील के सबसे बड़े नगर और 50 से अधिक गांवों की लगभग एक लाख आबादी वाले इस केंद्र में एक भी विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर चिराग मरावी ग्रामीण क्षेत्र से यहां अटैच किए गए हैं और केवल एक साल के 'बॉन्ड' पर ड्यूटी कर रहे हैं। अनुभव की कमी और वरिष्ठ डॉक्टरों की अनुपस्थिति मरीजों पर भारी पड़ रही है।

रेफर सेंटर की बन गई पहचान

वर्तमान में यहां मात्र 2 डॉक्टरों की पोस्टिंग है, जिनमें बीएमओ डॉ. केएल दीवान शामिल हैं। डॉक्टरों की भारी कमी के कारण यह अस्पताल 'इलाज केंद्र' कम और 'रेफर सेंटर' ज्यादा बन गया है। विदित हो कि कोतमा में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर पूर्व में कई बार प्रदर्शन, चक्काजाम और अनशन किए जा चुके हैं। बावजूद इसके, शासन-प्रशासन की नींद नहीं टूट रही है।

एक नजर में

टोरेंट पावर को आईबीएलए में मोस्ट प्रॉमिसिंग कंपनी ऑफ द ईयर अवॉर्ड

अनूपपुर, नवभारत। ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी टोरेंट पावरर को प्रतिष्ठित इंडिया बिजनेस लीडर अवार्ड में मोस्टु प्रोमीसिंग कंपनी ऑफ दा ईयर सम्मान से नवाजा गया है। यह अवॉर्ड उन कंपनियों को दिया जाता है जो तेज आर्थिक विकास, तकनीकी नवाचार और प्रभावी कॉर्पोरेट प्रबंधन के आधार पर उद्योग जगत में मजबूत संभावनाएं दिखाती हैं। समारोह में कंपनी की ओर से यह पुरस्कार निदेशक जीगिश मेहता ने ग्रहण किया। कंपनी की इस उपलब्धि को ऊर्जा क्षेत्र में उसके प्रभावी प्रबंधन, रणनीतिक दृष्टिकोण और लगातार विस्तार के प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। आईबीएलए अवॉर्ड का आयोजन प्रमुख बिजनेस न्यू ज नेटवर्क सीएनबी- टीवी 18 द्वारा किया जाता है। इस मंच पर भारतीय उद्योग जगत के उन संगठनों और नेतृत्वकर्ताओं को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नवाचार और विकास के नए मानक स्थापित किए हैं।

भाजपा राजनगर ग्रामीण मंडल के महामंत्री बने शिव मिश्रा

अनूपपुर, नवभारत। भारतीय जनता पार्टी के युवा, जुझारू एवं कर्मठ कार्यकर्ता शिव मिश्रा को सर्वसम्मति से भाजपा राजनगर ग्रामीण मंडल का मंडल महामंत्री नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से संगठन में हर्ष का माहौल देखा जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन की मजबूती और युवाओं को नेतृत्व में आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। शिव मिश्रा लंबे समय से भाजपा संगठन में सक्रिय रहते हुए जनसेवा और संगठनात्मक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनके अनुभव और सक्रियता से मंडल संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा राजनगर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुषमा जोशी ने शिव मिश्रा को बधाई देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति से संगठन और अधिक सशक्त होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिव मिश्रा के नेतृत्व में भाजपा की नीतियां और योजनाएं प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचेंगी।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

अनूपपुर, नवभारत। अनूपपुर जिले के चचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत विवेक नगर के पास रेलवे लाइन पर एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक के पास से मिले दस्तावेजों के आधार पर उसकी पहचान संतोष सिंह निवासी वार्ड क्रमांक 4 बड़गियान टोला चाका थाना अमलाई जिला शहडोल के रूप में की गई है। प्रथम दृष्टया मामला ट्रेन से कटने से हुई मौत का प्रतीत हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही चचाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, दो दिनों में कटे सेमर और नीलगिरी के बड़े पेड़

सकोला बीट क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रही पेड़ों की कटाई

अनूपपुर, नवभारत 15 मार्च। जिले के कोतमा वन परिक्षेत्र अंतर्गत आरएफ 463 सकोला बीट क्षेत्र में वन संपदा की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भालूमाड़ा में आनंद मिश्रा के बाड़ी के पास वन विभाग की भूमि पर खड़े बड़े पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। हालांकि इस मामले में अब तक स्पष्ट और ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

जानकारी के अनुसार 13 मार्च को लगभग 3 मीटर से अधिक गोलाई वाले सेमर के एक बड़े पेड़ को काट दिया गया। वहीं 14 मार्च को उसी स्थान पर एक नीलगिरी का पेड़ भी काटा गया। लगातार दो दिनों में बड़े पेड़ों की कटाई से स्थानीय लोगों में नाराजगी और चिंता का माहौल है।

पीओआर क्रमांक मांगा गया तो उपलब्ध नहीं कराया

मामले को लेकर जब सकोला के बीट गार्ड बिहारी लाल रजक से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि सूखी लकड़ी काटी गई है और इस पर पीओआर (वन अपराध प्रकरण) दर्ज कर लिया गया है। हालांकि जब उनसे पीओआर क्रमांक मांगा गया तो वह उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे पूरे मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

वन अपराध प्रकरण बनाया गया : रेंजर

कोतमा के रेंजर हरीश तिवारी से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि पीओआर दर्ज कर वन अपराध प्रकरण बनाया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कार्रवाई किसके खिलाफ की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटनास्थल पर एक लाल रंग का ट्रैक्टर भी देखा गया था, जिससे पेड़ काटकर लकड़ी ले जाने की बात सामने आई है।

इनका कहना है

सेमर की लकड़ी काटी गई है, जिस पर पीओआर काटकर वन प्रकरण दर्ज किया गया है। पीओआर क्रमांक अभी नहीं मिल पाएगा।

बिहारी लाल रजक
बीट गार्ड सकोला

मैं अभी हाथी ड्यूटी में हूं। पीओआर काटकर वन अपराध दर्ज किया गया है, आगे की कार्यवाही जारी है।

हरीश तिवारी
रेंजर कोतमा

सेमर की लकड़ी काटे जाने की जानकारी मुझे कल ही मिली है। इस संबंध में डीएफओ अनूपपुर को कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पीओआर काटकर वन अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जांच कराई जा रही है।

सीसीएफ
वन विभाग शहडोल

आध्यात्मिक उत्सव के तहत शोभायात्रा आज

नगर में दिखेगा भक्ति और उत्साह का माहौल

अनूपपुर, नवभारत 15 मार्च। जिले के बिजुरी स्थित माइन्स कॉलोनी में जारी आध्यात्मिक उत्सव के तहत सोमवार 16 मार्च को शाम 5 बजे सरस्वती शिशु मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। पूज्य गुरुदेव प्रेमासाईं महाराज ने इसे सनातन धर्म की मजबूती और जन-जागरण का अभियान बताया है।

इस अवसर पर पूरा शहर भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आएगा। बिजुरी नगर पालिका क्षेत्र के माइन्स कॉलोनी में 11 मार्च से चल रहे त्रिकालदर्शी दिव्य दरबार के छठवें दिवस पर सोमवार 16 मार्च को मातंगी धाम के तत्वावधान में भव्य दिव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। आयोजन को लेकर पूरे बिजुरी नगर में धार्मिक उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

सरस्वती शिशु मंदिर में होगा समापन

मां मातंगी दिव्य दरबार के पूज्य गुरुदेव प्रेमासाईं महाराज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सोमवार शाम 5 बजे सरस्वती शिशु मंदिर के पास समस्त सनातन धर्मावलंबियों का एकत्रीकरण किया जाएगा। इसके बाद वहीं से भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ होगा। प्रेमासाईं महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि शोभायात्रा सरस्वती शिशु मंदिर से निकलकर हनुमान मंदिर, काली मंदिर होते हुए पीपल चौक सहित शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरेगी और पुन: सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचकर इसका समापन किया जाएगा।

बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाए, जीवन विद्या अनुशासित जीवन जीने का मार्ग बताती है : प्रसाद

अनूपपुर, नवभारत 15 मार्च। जीवन विद्या वह विद्या है जो मनुष्य को सही ढंग से जीवन जीने की कला सिखाती है। यह केवल जीविका कमाने का ज्ञान नहीं, बल्कि परिवार, समाज और संबंधों में संतुलित व अनुशासित जीवन जीने का मार्ग बताती है। यह बात समाजसेवी अजय कुमार प्रसाद ने कही। उन्होंने कहा कि आज हमारे विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को जीवन यापन के लिए आवश्यक ज्ञान तो दिया जाता है, लेकिन जीवन को संतुलित, सुखमय और शांतिपूर्ण ढंग से कैसे जिया जाए, इसकी शिक्षा बहुत कम दी जाती है। परिणामस्वरूप समाज में पारिवारिक कलह, ईर्ष्या, द्वेष और आपसी अविश्वास जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। अजय कुमार प्रसाद के अनुसार जीवन विद्या का ज्ञान हमें अपने परिवार से ही प्राप्त होना चाहिए, क्योंकि परिवार को मानव जीवन की प्रथम पाठशाला कहा गया है। यदि बचपन से ही बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा दी जाए तो समाज, राज्य और राष्ट्र स्वत: ही सुदृढ़ बन सकते हैं।

विवाद | दिव्यांग छात्रावास में बच्चे के जन्मदिन पर भोजन कराने की पहल से शुरू हुआ विवाद, रसोइया ने बताई थी गैस की कमी

अधीक्षिका की फटकार से आहत रसोइया ने किया कीटनाशक का सेवन

अनूपपुर, नवभारत। जिला मुख्यालय स्थित दिव्यांग छात्रावास में रविवार को हुए विवाद के बाद रसोइया कलावती राठौर ने कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार घटना की शुरुआत उस समय हुई जब जिला पंचायत उपाध्यक्ष पार्वती वाल्मिक राठौर ने अपने बच्चे के जन्मदिन के अवसर पर छात्रावास के बच्चों को भोजन कराने की इच्छा जताई। उन्होंने फोन कर बताया कि वे भोजन का सामान लेकर छात्रावास आ रही हैं। इस दौरान रसोइया कलावती राठौर ने बताया कि छात्रावास में गैस कम है और खाना बनाते समय गैस खत्म होने की आशंका है।

अधीक्षिका पर अभद्र व्यवहार का आरोप

बताया जाता है कि इस जानकारी के बाद जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने डीपीसी (जिला परियोजना समन्वयक) से छात्रावास में गैस की कमी और बच्चों के भोजन की व्यवस्था को लेकर चर्चा की। डीपीसी द्वारा यह जानकारी छात्रावास अधीक्षिका नंदनी पटेल को दी गई। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर अधीक्षिका नंदनी पटेल ने रसोइया को फटकार लगाई और कथित रूप से गाली-गलौज भी की।

अधीक्षिका करती हैं प्रताड़ित : कलावती

रसोइया कलावती राठौर का कहना है कि अधीक्षिका पिछले तीन वर्षों से छोटी-छोटी बातों को लेकर उनके साथ अभद्र व्यवहार और प्रताड़ना करती रही हैं। इसके चलते उसने यह कदम उठाया।

अधीक्षिका ने आरोपों को नकारा

अधीक्षिका नंदनी पटेल ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि रसोइया ने आयोजन की जानकारी उन्हें नहीं दी और गैस उपलब्ध होने के बावजूद गैस कम होने की बात कही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रसोइया द्वारा कई बार राशन में गड़बड़ी की शिकायत डीपीसी कार्यालय में की गई है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

बताया जा रहा है कि विवाद से आहत होकर रसोइया ने छात्रावास के पास अपने घर की बाड़ी में रखी सब्जी की फसल में इस्तेमाल होने वाली कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर अन्य कर्मचारियों ने इसकी सूचना दी, जिसके बाद जिला पंचायत उपाध्यक्ष पार्वती वाल्मिक राठौर की मदद से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिला अस्पताल प्रबंधन को महिला का उपचार निगरानी में कराने के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल मामले को लेकर प्रशासनिक जांच की प्रतीक्षा की जा रही है।